

(19)

10-11-19

9000/1000

2223

(7) 1000Rs.



विक्रय पत्र अंकन -54, 000 रुपये

स्टाम्प-5400/-रुपया,

11080

.....

हम कि महेन्द्रसिंह पुत्र श्री जयसिंह निवासी ग्राम मकरमतपुर सिकरौड परगना जलालाबाद तहसील व जिला गाजियाबाद प्रथम पक्षा विवेता एकम् विनोद कुमार हितैषी पुत्र स्व. श्री सत्यदेव हितैषी निवासी ग्राम मकरमतपुर सिकरौड परगना जलालाबाद तहसील व जिला गाजियाबाद ... द्वितीय पक्षा विवेता है ।

विदित हो कि ग्राम मकरमतपुर सिकरौड परगना जलालाबाद तहसील व जिला गाजियाबाद के खाता खतौनी संख्या 83 के खसरा नम्बर 103 रुकवा 0.383 हैटेयर यानि कि 1-10-6 पुखता का 1/5 भाग बकदर 0-6-1-4 तः विस्थे एक विस्वासी-चार कचवासी पुखता आराजी अपनी में से विक्रय की जा रही है, जो कि क्रेता द्वितीय पक्षा के खाता खतौनी संख्या 56 के गाटा संख्या 104 से में मिलान है, धारा 168ए. का उल्लंघन नहीं है। विक्रय पत्र के साथ क्रेता के कितान बड़ी की छाया प्रति लगाने है। आराजी उपरोक्त आज दिनांक तक मेरी तरफ से हर प्रकार

जैदर



TESTED

महेन्द्रसिंह

Advocate
GHAZIABAD

ATTESTED



महेन्द्रसिंह

GHAZIABAD

विष्णुचरितं पुत्राय भक्त्युपायं
मित्राय च

८७६२१५५८२१५

24.01

1020/ 101 1056 1056
 १०२०/ १०१ १०५६ १०५६
 १०२०/ १०१ १०५६ १०५६

[illegible]

~~सब रदित~~
२२-५-२१
महंगा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

Handwritten signature: *Wm. H. Miller*

3000

10/11/19

1975

Handwritten notes and a graph. The graph shows a curve with points plotted, and a horizontal line is drawn across it. The curve is labeled with numbers 1 through 10. The horizontal line is labeled with numbers 1 through 10. The curve is labeled with numbers 1 through 10. The horizontal line is labeled with numbers 1 through 10.

1000 1000000

$\frac{1}{1.5 \times 10^3} \approx 6.67 \times 10^{-4}$



141

11138

मे उसे और से दूना है, औरगी किसी अन्य स्थान पर ग्राह. एक, है,
 विदे. मादवा के, कि लोग उनके से प्रेम नहीं है, यानि कि वह प्रेम
 के नाम व हास है, तुम्हारे अपनी औरगी से निकल करके से अपने बचने
 अधिकार प्राप्त है, अतः मैं अपनी समस्त शक्ति और व स्थिति चित्त की -
 वगा मे तुम लोग समझ कर, बिना किसी शर्त व बंधन के औरगी को
 चित्त समस्त मुक्ति 54, 000 रुपये समस्त और रुपये उनके पिछले 27, 000/-
 रुपये होते है। मैं इसी समस्त मे वही प्रितिय मे वही समस्त को निकल कर
 दिया है, और समस्त विधीयन मेने प्रेम मे प्राप्त कर लिया है, इस केना

जैहरीपद!

Vinayak

25/4/99

5

1000

4

177/98

श्री 6211112100

श्री 6211112100

श्री 6211112100

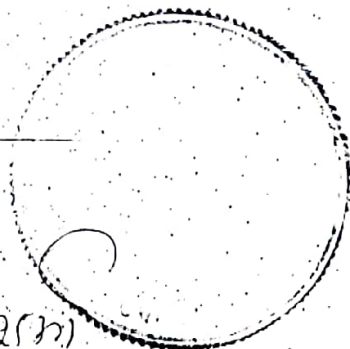
श्री 6211112100

श्री 6211112100

श्री 6211112100

श्री 6211112100

श्री 6211112100



श्री 6211112100

श्री 6211112100

Admission Registration
V.M.B. Entry No. 110 of 1998

श्री 6211112100

श्री 6211112100



11888

{3}

बाकी नहीं रहा है, समस्त विक्रीधन क्रेता से वसूल पाकर ऐसी आराजगी
उपरोक्त को कब्जे क्रेता में देकर उस पर अपने ही समान अधिकारी कर
दिया है, अब क्रेता विक्रित आराजगी का पूर्ण रूप से स्वीकृति हो गया
है वह उसे जिस प्रकार से चाहे अपने प्रयोग में लाकर मालिकाना लाभ

नेहरील

Insitawen

25/4/99

6

1000

4

177/98

श्री 6211 पालिका





11080

उठाता रहें, उन दिनों में सचचात विकृत आराजनी से भरो तथा

भारतान भरो का कोई वास्ता इ सेलोकान किसी प्रकार बकाया

नही रहा और न भविष्य में होगा, दफ्तरि गारिज हैची आराजनी

मेठमैड

V. S. S. S.

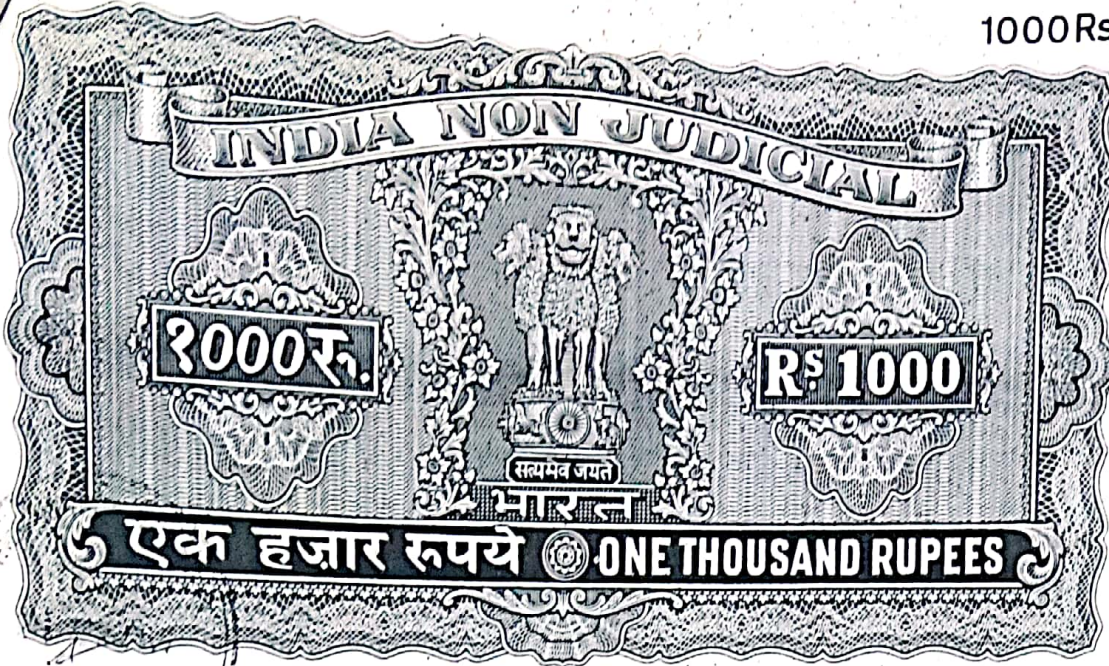
29/4/99

7 1000
4 795

2162114142121



1000Rs.



[5]

110819

का बनाम देता के द्वारा दूगों या देता बनामा के द्वारा रक्म

रालें तो कोई आपतित किंती प्रकार की नहीं होगी, यदि

वेची आराजी उपरोक्त का कोई अशं या कुल किंती भी कानूनी

आदि के कारण से कदम देता से निकल जावे तो ऐसी दशा

अवस्था

M. S. S. S.

29/4/99

8

1/000

4

17708

श्रीकृष्णलक्ष्मी





6

मे प्रता को पूर्ण हक होमा कि वह अपना दिया गया

कुल रुपया अतलमये तूद कानूनी व खरचे अदालत के डिस्ताद

से मुझसे व मेरी अन्य सम्पत्ति चल व अचल से बजरिये अदालत

नैद्वालेद'

W. S. S. S.

29. 11. 99

1000

1000

1000

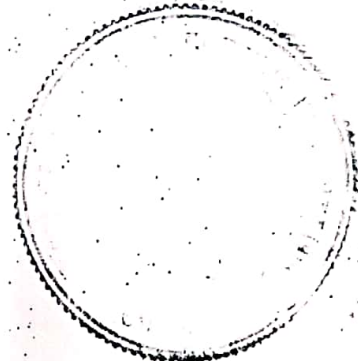
1000

1000

1000

1000

1000





{ 7 }

चाहे जिस प्रकार से वसूल करें तो कोई आपत्ति किसी प्रकार

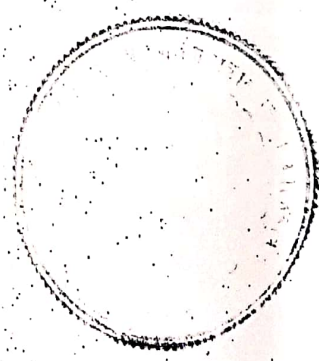
की नहीं होगी, व्यक्ति आराजी का सरकिल रेट 1,75,000 रुपये

मैट्रिड!

V. S. S. S.

2 2019-11-19

Handwritten signature



100Rs.



प्रति दीधा पुखता के हिसाब से है, वनमा का समत त

वरचा नेता ने ही अदा किया है, विवेता ने आर ने पूर्व

मे उक्त आराजी के विषय मे कोई इकरारनामा नही किया है।

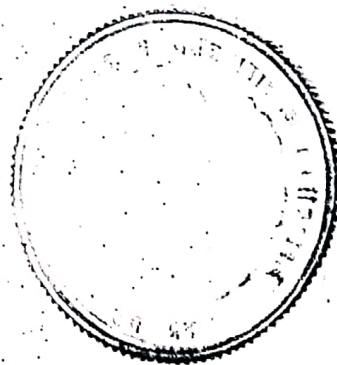
जहलकिए

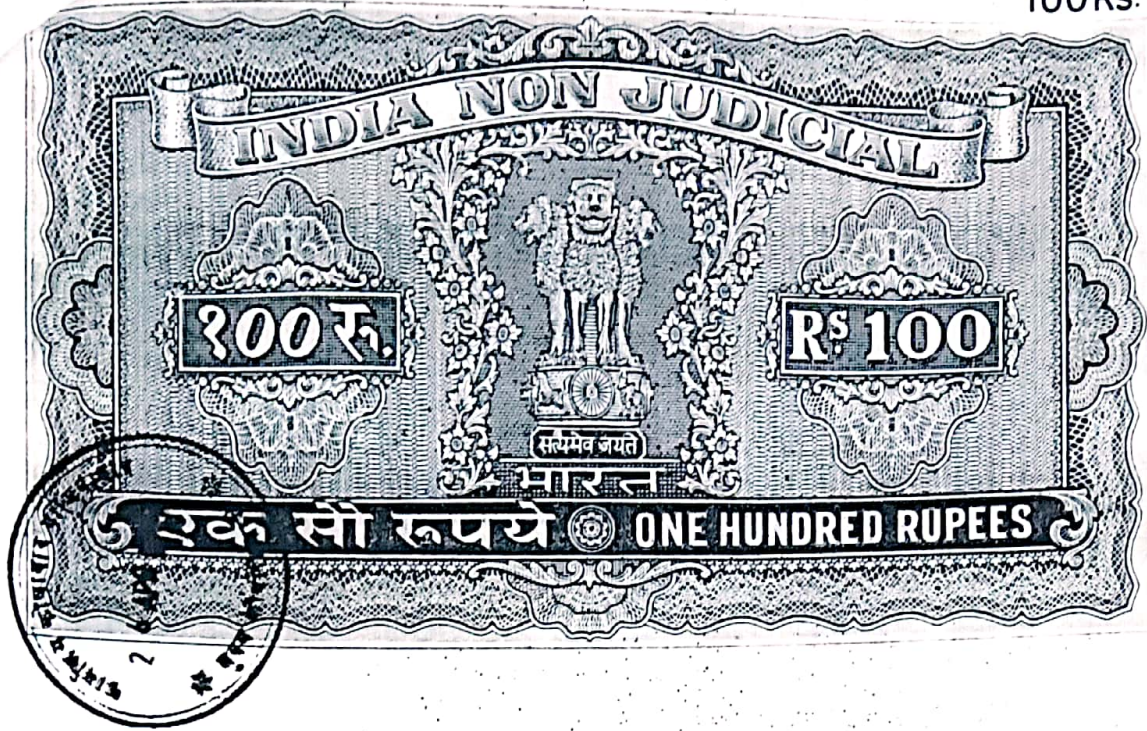
M. S. K. S.



3 20-11-01

11/11/01





अतः यह निकाय पत्र कतई लिख दिया कि सनद रहे और समय पर काम आवें हति।

..... जेठाराम

..... B. S. S. S.

गवाह- जितेशाम

गवाह- २०२१-२०२२/२०२३

जिलेराम शर्मा पुत्र श्री धनीराम शर्मा

रमेशचन्द्र शर्मा पुत्र श्री हीराताल

नि. ग्राम मकरमतपुर तिकरौड जि. गाजियाबाद

नि. ग्राम मकरमतपुर तिकरौड

जिला- गाजियाबाद ।

तहरीर तारीख- 29.4.1999ई.

मसविदा- सुकुदलाल शर्मा एडवोकेट कम्पाउन्ड गाजियाबाद ।

Mukat Lal Sharma
Advocate
GHAZIABAD.

23-4-99

[Handwritten signature]



554 $\frac{214}{212}$ 2223
श्री नं० I एकीकृतित
की आज दिनांक 5/6/99

मि. वी. 720
8-7-99

